मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 45 ■ अंक : 252 ■ रविवार 4 जनवरी 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

महाराष्ट्र में केवल मराठी अनिवार्य

78 सीटें, 432 उम्मीदवार मैदान में

उल्हासनगर महानगर पालिका चुनाव
189 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र वापस लिया

- **महायुति के शिवसेना, भाजपा व राकांपा में ही लड़ाई**
- **आज से चुनावी महासंग्राम शुरू**
- **15 जनवरी मतदान, 16 को मतगणना**
- **पुलिस-प्रशासन मुस्तैद**

उल्हासनगर। आगामी गुरुवार 15 जनवरी 2026 को होने जा रहे उल्हासनगर महानगरपालिका के 78 वार्डों में मतदान के लिए अब कुल 432 उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं। शुक्रवार को नाम वापस लेने की प्रक्रिया में कुल 189 उम्मीदवारों ने अपना फार्म वापस लिया है। शनिवार को सभी उम्मीदवारों को चिन्ह बांटे गए। इसी के साथ अब चुनावी महासंग्राम शुरू हो चुका है। उम्मीदवारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि

इतने कम समय 12 दिनों में उन्हें पूरे पैनल में प्रचार करना है। इस बार राजकीय पक्षों के साथ अपक्षों में भी नए व युवा चेहरे देखने को मिले हैं। पुलिस व प्रशासन की मतदान को लेकर तैयारी जोरों पर शुरू है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर नजर रखने के लिए विशेष टीम गठित है।

महायुति में आपसी टक्कर

उल्हासनगर मनपा क्षेत्र के सभी 20 पैनलों में सबसे बड़ी टक्कर महायुति के घटक दल शिवसेना, भाजपा व राकांपा में ही देखने को मिल रही है। जहां एक तरफ शिवसेना ने 35, टीओके 32 व साई पक्ष 11 के समक्ष भाजपा के सभी 78 उम्मीदवार खड़े हैं तो राकांपा ने भी 47 उन्हीं पैनलों में अपने युवा व सुशिक्षित उम्मीदवार उतारे है। ज्यादातर पैनलों में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। सभी प्रमुख पैनलों में शिवसेना, भाजपा व राकांपा के उम्मीदवारों का प्रचार प्रसार जोरदार देखने को मिल रहा है। वहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष रोहित सालवे ने बताया कि महायुति से नाराज शहर की जनता के समक्ष हमने 32 उम्मीदवार उतारे हैं जिन्हें लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 19 में शिवसेना पड़ी कमजोर

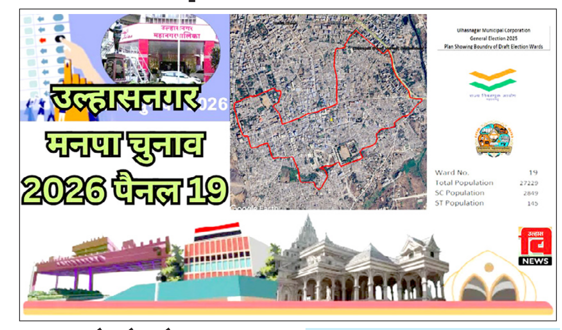

- **पुराने चेहरे समस्या हल करने में हुए फेल**

पैनल 19	
कुल मतदाता	22,814
पुरुष मतदाता	12,595
महिला मतदाता	9,814

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर-5 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश है जिसमें कुर्ला कैम्प, रविंद्र नगर, वीर तानाजी नगर, राशन आफीस, कुर्ली कैम्प व सुभाष टेकड़ी का परिसर, स्वामी शांति प्रकाश मार्केट, झुलेलाल टॉवर, ओटी सेक्शन, नेहरू नगर, शिव कालोनी, सिख कालोनी, भगवानदास दवाखाना, जय जनता कालोनी, कैलाश कालोनी, सिद्धार्थ नगर, स्वामी शांति प्रकाश आश्रम परिसर, दूधनाका, मट मंदिर, गायकवाड़ पाड़ा, आकाश कालोनी, प्रभाराम मंदिर आदि का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ- किशोर बनवारी- भाजप, ब - मीनाक्षी पाटील -भाजप, क- विजय पाटील - भाजपा, ड- मीना सोंडे -भाजपा के नगरसेवक रह चुके हैं।

अब नए आरक्षण में यहां ओबीसी, जनरल महिला व जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में सिंधी व मराठी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। इस पैनल में पहले भाजपा से जीत नगरसेवक थे जो अब शिवसेना में दल बदल कर चुके हैं। अपने कार्यकाल में चारों ने कोई विकास कार्य नहीं करने से स्थानीय जनता उनसे नाराज है जिस कारण इस बार वार्ड की जनता परिवर्तन के तहत सभी पुराने चेहरों को हटाकर नए चेहरों को मौका दे रही है। यहां पर भाजपा ने नए व युवा चेहरों को उतारा है। उनके साथ राकांपा के भी उम्मीदवार मैदान में देखे जा सकते हैं। इस चुनाव में कमजोर पड़ी शिवसेना पर भाजपा भारी पड़ेगी।

पैनल-6 से महेश सुखरामानी ने नए साल में लिया नया संकल्प

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा पैनल 6 में शिवसेना से अधिकृत उम्मीदवार महेश सुखरामानी ने नए साल में अपने वार्ड में जनसंपर्क अभियान के दौरान यह संकल्प लिया कि वार्डवासियों को जो मूलभूत सुविधाएं हैं और जो सरकारी योजनाओं को लाभ नहीं मिल पाया है उन्हें घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे जो इससे पूर्व कभी नहीं हुआ है। उल्हासनगर-1 नाना-नानी पार्क परिसर में जो ट्रांसपोर्ट, सब्जी मार्केट व पार्किंग की समस्या से निवासी व व्यापारी जूझ रहे हैं उनका हल भी भविष्य में निकाला जाएगा ताकि व्यापारी अपना व्यापार कर सके। महेश सुखरामानी के साथ उनके साथी उम्मीदवार जया प्रकाश माखीजा, प्रेरणा अजित माखीजानी व विक्की सिंह द्वारा भी जनसपर्क जारी है।

मनपा चुनावों के लिए दो चुनाव ऑब्जर्वर नियुक्त

उल्हासनगर. चुनाव आयोग ने उल्हासनगर मनपा चुनावों पर नज़र रखने के लिए दो ऑब्ज़र्वर नियुक्त किए हैं और ये दोनों अधिकारी महानगर पालिका में शामिल पहुंच चुके हैं। नीलेश गटणे मुख्य ऑब्ज़र्वर हैं और महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। रवींद्र ठाकरे दूसरे चुनाव ऑब्ज़र्वर हैं और महाराष्ट्र राज्य खादी और ग्रामोद्योग निगम के जॉइंट चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं। ये दोनों अधिकारी रोज़ाना चुनाव के काम और चुनाव प्रक्रिया पर नज़र रखेंगे और इस काम की रिपोर्ट आयोग को भेजेंगे।

इससे पहले, चुनाव आयोग ने मनपा चुनावों के लिए छह चुनाव निर्णय अधिकारियों, बालासाहेब तिड़के, गणेश सांगले, विशाल वसंतराव जाधवर, विजयकुमार वाकोडे, मुकेश पाटिल और डॉ. संजय शिंदे को उल्हासनगर भेजा था। कमिश्नर मनीषा आव्हाले के मार्गदर्शन में, इन अधिकारियों ने उम्मीदवारों को नामांकन पत्र जारी करने, नामांकन पत्र स्वीकार करने और उनकी जांच करने की प्रक्रिया को संभाला।

इस बीच, मनपा में प्रवेश करते ही मुख्य चुनाव निरीक्षक नीलेश गटणे, चुनाव निरीक्षक रवींद्र ठाकरे के साथ आयुक्त मनीषा अव्हाले, अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, उप आयुक्त विशाखा मोटघरे और चुनाव विभाग के सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी ने शहर में चुनाव व्यवस्था का जायजा लिया।

पैनल-7 को बनाएंगे भयमुक्त

पढ़े-लिखे प्रत्याशियों ने बदलाव लाने का किया फैसला

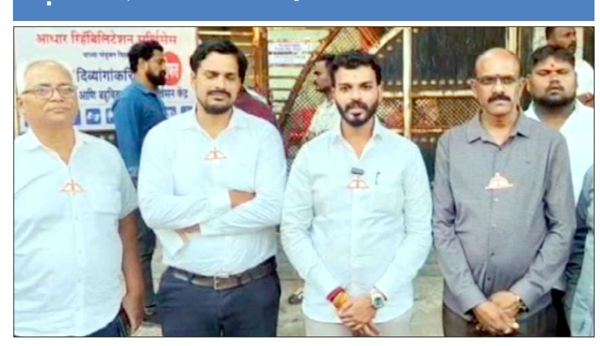

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के मैदान में शिवसेना, टीम ओमी कलानी और साई पार्टी के गठबंधन के ऑफिशियल उम्मीदवारों ने पैनल नंबर 7 से बड़े जोश के साथ अपने नॉमिनेशन पेपर फाइल किए। दिलचस्प बात यह है कि ये चारों उम्मीदवार टीम ओमी कलानी के कोटे से चुनाव मैदान में उतरे हैं और उन्हें शिवसेना ग्रुप का AB फॉर्म दिया गया है।

चारों उम्मीदवार पढ़े-लिखे हैं और लोकल युवाओं के इस पैनल ने वार्ड में राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। इन युवाओं ने पैनल नंबर 7 को भयमुक्त बनाने का फैसला किया है।

नगराध्यक्ष पदभार समारोह में तेजश्री ने कहा...

ठेकेदारों अच्छे दर्जे का काम करो, नहीं तो...

अंबरनाथ. अंबरनाथ की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल ने ठेकेदारों को सख्त लहजे में इशारा दिया है कि वह शहर में विकास कार्य को अच्छे दर्जे का करें. नहीं तो उनका बिल रोक दिया जाएगा. इस चेतावनी के बाद नपा ठेकेदारों में खलबली मच गई है. नगराध्यक्षा पदभार समारोह में उन्होंने ये बात कही है. उस समय भाजपा प्रदेश महिला अध्यक्षा चित्रा वाघ, विधायक किसन कथोरे, कुमार आयलानी, पूर्व नगराध्यक्षा गुलाबराव करंजुले, अभिजीत करंजुले, कांग्रेस नगरसेवक प्रदीप पाटिल, राकांपा के सदाशिव पाटिल आदि उपस्थित थे. शिवसेना का कोई भी नेता, नगरसेवक उपस्थित नहीं था. पदग्रहण करते समय विधायक किणीकर, सुनिल चौधरी आदि ने बाद में उन्हें बधाई दी.

उन्होंने ये भी कहा कि ठेकेदार अच्छे दर्जे का करेंगे तो वह बिल नहीं रोकेंगी. भाजपा द्वारा नपा आंगन में ढोलताशे के साथ नगराध्यक्षा का जोरदार स्वागत किया गया. अंबरनाथ में सभी धर्म के लोग रहते हैं. उनके आशीर्वाद से वह जीती है. शहरवासियों को अच्छे दर्जे की सुविधा देने, पानी की समस्या एवं स्वच्छता की समस्या को तेजश्री ने दूर करने का

वादा जनता से किया है. उन्होंने ये भी कहा कि नगरपरिषद द्वारा संचालित 19 स्कूलों को शिक्षण का दर्जा में वह सुधार लाएंगी. नगर परिषद की वेबसाइट शुरू करसने का उनका इरादा है. ताकि शहरवासियों को घर बैठे आनलाइन सुविधा प्राप्त हो. सांसद शिंदे द्वारा जारी शहर के विकास कार्यों को जल्द गति से पूरा करने का इरादा उन्होंने किया है. उन्होंने ये भी कहा कि वह विरोधी पक्ष का सम्मान करती है. उन्होंने उल्हासनगर जो-4 के डीसीपी से भेंट करके एक पत्र दिया है कि शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करें ताकि शहर की जनता बिना डर के अपना जीवन व्यतीत करें. नगराध्यक्षा पदभार समारोह में उपस्थितों ने अपनी आंखों से देखा कि भाजपा, कांग्रेस, राकांपा के नेता गले मिल रहे थे और अन्य पक्ष के नेता घर बैठे ये सब देख रहे थे.

अंबरनाथ में भाजपा-कांग्रेस सत्ता स्थापन की तैयारी

- **महानगर पालिका चुनाव में होगा परिणाम**
- **इसलिए घोषणा होगी देरी से**
- **नगराध्यक्ष पदग्रहण समारोह में कांग्रेस-राकांपा के नेता स्टेज पर**

अंबरनाथ. अंबरनाथ की नगराध्यक्ष तेजश्री करंजुले पाटिल के पदग्रहण समारोह में कांग्रेस आई

के अध्यक्ष प्रदीप पाटिल एवं राकांपा (अ.प.) अध्यक्ष सदाशिव पाटिल एवं उनके नगरसेवकों ने भाग लेकर उन्हें शुभेच्छा दी. शिवसेना का कोई भी नगरसेवक उपस्थित नहीं था. ये दृश्य साफ बता रहा था कि भाजपा-कांग्रेस एवं राकांपा के बीच दोस्ती हो गई है और ये सब मिलकर शहर की सत्ता चलाएंगे. दैनिक उल्हास विकास ने इस समीकरण की घोषणा पहले ही कर दी थी. ये भविष्यवाणी अब सच दिखाई देने लगी है. महाराष्ट्र में ऐसा समीकरण आपको कहीं देखने को नहीं मिलेगा.

महानगर पालिका के चुनाव चल रहे हैं. 15 जनवरी को मतदान है. अंबरनाथ नपा में हो रही भाजपा-कांग्रेस की दोस्ती महानगर पालिका चुनाव में कहीं परिणाम ना डाले, इसलिए घोषणा जल्द किए जाने की संभावना नहीं है. वैसे पदग्रहण समारोह के बाद पत्रकारों द्वारा पूछे गए भाजपा-कांग्रेस के अंबरनाथ में बढ़ते संबंध और सत्ता स्थापना पर नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने साफ बताया कि भ्रष्टाचार मुक्त एवं भयमुक्त अंबरनाथ के भाजपा के नारे पर सहति से कांग्रेस-राकांपा ने सहमति जताई है. नगराध्यक्षा ने अपने भाषण में भी कांग्रेस एवं राकांपा के नेताओं का नाम लिया है,जो ये साफ जाहिर कर रहा है कि शहर भाजपा शिवसेना को साइड में करके कांग्रेस के 12, राकांपा के 4 नगरसेवकों को लकर सत्ता स्थापन करने जा रही है. केवल अधिकृत घोषणा करना बाकी है, जो कि 8 से 10 दिनों में किए जाने की संभावना है. विदित हो कि भाजपा के 14 नगरसेवक हैं...

2.04 करोड़ रुपए का गांजा जब्त

ठाणे. ठाणे क्राइम ब्रांच ने 30 दिसंबर को एक ऑपरेशन के दौरान 36 साल के एक आदमी को गिरफ्तार किया और करीब 2.04 करोड़ कीमत का 638 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया। आरोपी की पहचान तेलंगाना के महबूबनगर जिले के रहने वाले चिन्ना टैगुर लक्ष्मण नायक के तौर पर हुई है, जो अक्सर ओडिशा और तेलंगाना से शहर में ड्रग्स लाता था। एक टिप मिलने के बाद कार्रवाई एक टिप पर कार्रवाई करते हुए, क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल को पता चला कि ड्रग्स की एक बड़ी खेप ठाणे लाई जा रही है। मुंबई-नासिक हाईवे पर कलवा में खारेगांव टोल नाका पर एक जाल बिछाया गया.

युवाओं की डिमांड को पैनल 9 में आकाश सुमित चक्रवर्ती ने किया पूरा

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा चुनाव में काफी समय से युवाओं की डिमांड ने जोर पकड़ा हुआ था। इस डिमांड को पूरा करते हुए पैनल 9 से शिवसेना के अधिकृत उम्मीदवार आकाश सुमित चक्रवर्ती ने युवाओं के जोश को दुगना कर दिया है। पिछले काफी समय से आकाश ने पैनल

9 में डेरा डाला हुआ है और यहां के अधूरे पड़े और न हुए विकास कार्यों को पूरा करने की ठान ली है। इस पैनल में सिंधी, मराठी व उत्तर भारतीय समाज के मतदाता हैं इन तीनों समाज का समर्थन आकाश चक्रवर्ती को भरपूर मिल रहा है। शिवसेना के तीर कमान चिन्ह के साथ मैदान में डटे आकाश वार्डवासियों की पहली पसंद बने हुए हैं। श्री आकाश चक्रवर्ती ने कहा कि मैं इस वार्ड में नया नहीं हु और वार्ड की समस्याओं से पूरी तरह वाकिफ हूं वार्ड की जनता का प्यार व भरोसा जीतने चुनाव मैदान में खड़ा हूं। लोगों का भरपूर प्यार व समर्थन पूरी तरह मुझे मिल रहा है।

खस्ता सड़कों से परेशान मतदाताओं ने किया चुनाव का बहिष्कार

- **उल्हासनगर 4 के मतदाताओं में आक्रोश**
- **तरे चाल इलाके के लोगों का आव्हान**
- **शहर की खस्ता सड़कों से उल्हासनगर वासी आक्रमण**
- **मूलभूत सुविधाओं से वंचित नागरिक**

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 में VTC ग्राउंड के पीछे गीता कॉलोनी में तरे चाल इलाके के लोगों ने मूलभूत सुविधाओं से वंचित के कारण आने वाले चुनावों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। स्थानीय लोगों ने VTC ग्राउंड से गुज़रने वाली अंदरूनी सड़क को ठीक करने की मुख्य मांग को लेकर कड़ा रुख अपनाया है।

सड़क की सुविधा न होने के कारण इस इलाके में रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर बहुत बुरा असर पड़ा है। यहाँ एक दिल दहला देने वाली तस्वीर देखने को मिलती है, जिसमें किसी बीमार व्यक्ति या गर्भवती महिला को इलाज के लिए चादर या कपड़े डालकर रिक्शा या मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। लोगों का कहना है कि मानसून के दौरान स्थिति और खराब हो जाती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि VTC ग्राउंड का उद्घाटन 8 सितंबर, 2021 को तत्कालीन शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने किया था। उस समय भरोसा दिया गया था कि डेढ़ साल के अंदर सड़क ठीक कर दी जाएगी। लेकिन, पाँच साल बीत जाने के बाद भी सड़क अभी तक ठीक नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को नज़रअंदाज़ किया है। इसलिए, अब यह पक्का फ़ैसला किया गया है कि जब तक सड़क ठीक नहीं हो जाती, तब तक वोट नहीं दिया जाएगा, और नागरिकों ने चुनाव का बॉयकॉट करने की चेतावनी दी है।

पैनल 2 में कर्मठ प्रत्याशी मीना कौर लबाना ने लिया संकल्प

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 में कर्मठ भाजपा उम्मीदवार मीना कौर लबाना ने संकल्प लिया है कि हमेशा की तरह वार्ड की सेवा करते हुए इस वार्ड को आदर्श वार्ड बनाएंगे। इससे पूर्व जो नेता इस पैनल में कार्य नहीं करने देते थे अब वो हमारे साथ नहीं होने के कारण अब हम इस पैनल को विकास की ओर ले जाएंगे और स्वार्थी नेताओं को सबक सिखाएंगे। भाजपा नेता अजित सिंह लबाना ने कहा कि हम जमीनी तौर से जुड़े हुए लोग हैं उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो नेता खुद का विकास करेगा वो वार्डवासियों से दोबारा वोट मांगने कैसे जाएगा। इसलिए हमारा काम ही हमारी पहचान है जो चुनाव में नहीं हर समय हमारे साथ होती है।

पैनल-2 से युवा प्रत्याशी नीलेश चैनानी को मिल रहा भरपूर समर्थन

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 ड से युवा उम्मीदवार नीलेश चैनानी जोकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के घड़ी चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे हैं उन्हें स्थानीय निवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। स्थानीय जनता से जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्हें समस्या से ग्रस्त वार्डवासियों का गुस्सा पूर्व नगरसेवकों पर देखने को मिल रहा है। पुराने चेहरों से जनता से ऊब चुकी है जिस कारण लोग

राकांपा के घड़ी युवा उम्मीदवार नीतेश चैनानी का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। यहां त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। एक तरफ दो दिग्गज आमने सामने तो एक तरफ युवा उम्मीदवार ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है।

पैनल-16 से प्रकाश लुंड ने लगाए अपने दोनों भाइयों पर भ्रष्टाचार के आरोप

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 16 में काफी समय से एक ही परिवार का कब्जा होने के कारण यहां पर विकास कार्य नहीं हो पा रहा है। जिस कारण स्थानीय जनता अब परिवर्तन चाहती है। स्थानीय जनता के साथ साथ उसी परिवार के सदस्य ने वार्ड की हालत और बढ़ते भ्रष्टाचार को देखते हुए अपने भाइयों के समक्ष चुनाव मैदान में उतरे हुए हैं। पैनल 16 से राकांपा के महेंद्र म्हात्रे, नेहा प्रकाश लुंड,सोनिया धामी व विजय राजवानी गंगोत्री चुनावी मैदान में है। इस पैनल के बारे में प्रकाश

गोबिंदराम लुंड ने पत्रकार परिषद में अपने भाइयों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की पोल खोली है। प्रकाश लुंड ने बताया कि इस वार्ड में विकास फंड पास तो होता है लेकिन विकास कार्य वार्ड की जनता तक नहीं पहुंचता है। आखिर वो फंड जाता कहा है। समाज मंदिर का 4 लाख का फंड जो आया था उसमें भी गड़बड़ी हुई है। इस वार्ड में सबसे बड़ा भ्रष्टाचार तब देखने को मिला जब वार्ड में अवैध रूप से साई वसण शाह गार्डन अपने स्वार्थ के लिए बनाया गया और अपने स्वार्थ के लिए ही बाद में तोड़ा गया। यह ऐसा क्यों हुआ यह सभी के लिए प्रश्नचिन्ह है। लेकिन इसके सारे सबूत मेरे पास है। प्रकाश लुंड ने अपने भाई शेरी व अमर लुंड पर पाटोल घोटाले में भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्हें भाजपा के बड़े नेता समर्थन दे रहे हैं जिस कारण यह मामला बाहर नहीं आता है। जिस कारण इस वार्ड को भ्रष्टाचार मुक्त करने की आवश्यकता है और और पैनल 16 से राकांपा के महेंद्र म्हात्रे, नेहा प्रकाश लुंड, सोनिया धामी व विजय राजवानी गंगोत्री को जीताने की अपील की।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

जादू-टोने के शक में जलते घर

प्रगति के कई सोपान पार करने के बावजूद भारत में अंधविश्वास की जड़ें गहरी हैं। इस देश की यह ऐसी स्याह तस्वीर है, जिसकी आमतौर पर अनदेखी की जाती रही है। आए दिन जादू-टोने के अंधविश्वास में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी जाती है। यों देश के सभी हिस्सों से इस तरह की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन पिछले कुछ समय के दौरान बिहार, झारखंड और असम में हुई ऐसी कई घटनाओं ने व्यापक चिंता पैदा की है। गौरतलब है कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में मंगलवार रात हुई घटना ने एक बार फिर सबको झकझोर दिया है। वहां एक गांव के कुछ लोगों ने जादू-टोना किए जाने के संदेह में घर में घुस कर एक दंपति पर पहले धारदार हथियारों से हमला किया, फिर उनके घर में आग लगा दी। इससे पति-पत्नी की जल कर मौत हो गई।

ग्रामीण इलाकों में जादू-टोने या डायन होने का आरोप लगा कर अक्सर महिलाओं को सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है और कई बार उन्हें मार भी दिया जाता है। हालांकि शहर भी अंधविश्वासों से मुक्त नहीं हैं। यह एक ऐसी सामाजिक बुराई है, जो विकास के आधुनिक पैमानों को मुंह चिढ़ाती है, लेकिन इसके निवारण के लिए कभी ईमानदार इच्छाशक्ति नहीं दिखाई गई। हैरानी की बात यह है कि जिस दौर में देश और दुनिया तकनीक के क्षेत्र में चरम विकास के दौर में है, उसमें महज वहम या अंधविश्वास की वजह से कई लोग अपने परिवार के लोगों के बीमार होने पर डाक्टर से इलाज कराने के बजाय उसे किसी जादू-टोने का नतीजा मानते हैं। विकास के तमाम दावों के बीच यह हकीकत है कि देश में वैज्ञानिक चेतना के प्रसार को लेकर सरकारें कभी गंभीर नहीं रहीं। जबकि देश में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का दायित्व संवैधानिक तौर पर भी दर्ज है।

इस जिम्मेदारी का निर्वाह करने के बजाय सरकारें किसी घटना विशेष के संदर्भ में कानून की सीमा में कदम उठाती हैं, लेकिन व्यापक स्तर पर वैज्ञानिक चेतना निर्माण को लेकर कोई ठोस योजना जमीन पर नहीं दिखती। अलग-अलग राज्यों में इस मसले पर बने कानून हैं, मगर लोगों के भीतर सोच के स्तर पर गहरे तक बैठा अंधविश्वास कानूनों के असर को बेमानी बना देता है।

विचार : कमजोर कड़ियों से मुक्ति आवश्यक

नए साल में कुछ नई चुनौतियां भी साथ आई हैं। देश और विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी को इन चुनौतियों का सामना करना है। स्वाभाविक रूप से ऐसी चुनौतियों के कुछ तार कहीं न कहीं पिछले साल से भी जुड़े हुए हैं। अस्थिरता के शिकार वैश्विक ढांचे में डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने जो अनिश्चितता बढ़ाई, उससे उपजी चुनौतियों को प्रधानमंत्री मोदी ने कुशलता से संभाला। हालांकि इंडिगो संकट, अरावली खनन, प्रदूषण से कराहती राष्ट्रीय राजधानी के मुद्दे बेहद परेशान करने वाले रहे। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे पूर्व विधायक को मिली राहत जैसी घटना भी चौंकाने वाली रही। हालांकि बाद में शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले को पलट दिया। गोवा के नाइट क्लब में लगी भीषण आग की घटना में जिंदा जले लोग भी राज्य सरकार की अक्षमता और भ्रष्टाचार के शिकार बने। यह भी एक दुर्योग रहा कि ऐसे सभी मामले साल की अंतिम तिमाही के दौरान सामने आए, जो कहां न कहीं दर्शाता है कि प्रधानमंत्री के पास न केवल केंद्रीय, बल्कि राज्यों के स्तर पर भी सक्षम मंत्रियों एवं नौकरशाहों का अभाव है, जो एक पारदर्शी एवं प्रभावी सरकार की योजनाओं को लागू करने में सहायक बन सकें।

इंडिगो प्रकरण की ही बात करें तो विमानन नियामक ने इस कंपनी को ऐसी गुंजाइश ही क्यों दी कि वह बाजार के 65 प्रतिशत हिस्से पर काबिज हो सके। उसे परिचालन विस्तार के लिए ऐसी अनुमति कैसे मिलती गई कि वह नियामक को ही अपनी अंगुलियों पर नचा सके? ऐसे में डीजीसीए के ढांचे और कार्यप्रणाली पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। क्या उसके अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम हैं या महज उसमें नियुक्ति पाने वाले नौकरशाह ही हैं। दिसंबर की शुरुआत में विमान सेवाओं के एक बड़े हिस्से के करीब-करीब ठप पड़ने के कई सप्ताह बाद भी इन सवालों के जवाब अभी तक नहीं मिल पाए हैं।

जहां तक अरावली मुद्दे का सवाल है तो केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने इस मामले में नवंबर में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बचाव किया। हालांकि बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने ही अपने उस फैसले पर स्थगन का निर्णय किया। नवंबर में अदालत ने सरकार द्वारा गठित 'विशेषज्ञ पैनल' द्वारा दी गई एक अजीब परिभाषा को स्वीकार कर लिया था। इसमें अरावली पहाड़ियों को 100 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया था। जहां मंत्रालय ने अपनी तथाकथित 'विशेषज्ञ समिति' की इस राय का जोरदार बचाव किया, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने नवीनतम आदेश में इसके विपरीत रुख अपनाया। सरकार की 'विशेषज्ञ समिति' की बात करें तो उसमें अधिकांश सदस्य पर्यावरण विशेषज्ञ न होकर नौकरशाह ही थे। इस मामले को लेकर रुख बदलने में मीडिया के सवालों की अहम भूमिका रही है। मीडिया के माध्यम से ही यह हैरान करने वाली जानकारी भी सामने आई कि नवंबर में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद सरकार ने दर्जनों खनन पट्टों को त्वरित गति से स्वीकृति प्रदान की। यदि यह सच है तो एक बड़ी विडंबना को ही दर्शाता है कि खनन माफिया पूरे परिदृश्य को किस हद तक प्रभावित करने की स्थिति में पहुंच गया है। सरकार इस मामले में समय से स्पष्टता नहीं दिखा सकी, जिससे उसकी छवि प्रभावित हुई।

यह किसी से छिपा नहीं रह गया है कि राजधानी दिल्ली प्रदूषण के मामले में नए कीर्तिमान बनाती जा रही है, लेकिन पर्यावरण मंत्रालय के पास इस स्थिति को परिवर्तित करने के लिहाज से कुछ उल्लेखनीय नहीं है। बीते साल कुछ दिनों के दौरान एक्यूआइ का आंकड़ा 500 से 1,000 तक पहुंचता दिखा, लेकिन पर्यावरण मंत्रालय ने किसी निदान के बजाय दोषारोपण का सहारा लेने को ही प्राथमिकता दी। कभी पराली को लेकर अंगुली उठाई गई तो कभी आम आदमी पार्टी पर। प्रदूषण से निपटने में किसी कारगर कार्ययोजना के मामले में दिल्ली सरकार भी अकर्मण्य ही नजर आई। इसका ही परिणाम है कि दिल्ली रहने के लिहाज से बेहद खतरनाक शहर बन गया है। लोग असहाय महसूस कर रहे हैं। इससे केंद्र सरकार की छवि को भी नुकसान पहुंच रहा है।

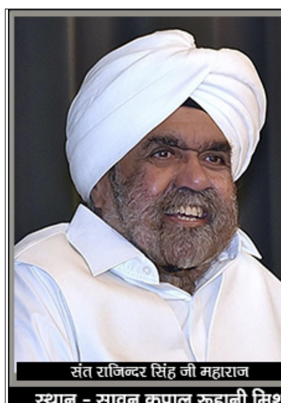

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सबसे स्वच्छ शहर में जहरीला पानी

यह अपने आप में विचित्र और अफसोसनाक है कि जिस शहर को पिछले कई वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा मिल रहा हो, वहां दूषित पेयजल के सेवन से लोगों के मरने की खबरें आती हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हो गई और करीब दो सौ लोगों को अस्पताल भर्ती होना पड़ा। खबरों के मुताबिक, भागीरथपुरा में नर्मदा नदी की पाइपलाइन में गंदा पानी मिल गया, जिससे पानी दूषित हो गया। लोगों ने इस पानी का सेवन शायद इसलिए भी कर लिया कि साफ और गंदे पानी में फर्क करना मुश्किल हो गया था।

सवाल है कि अगर आम लोग पेयजल के लिए पानी की आपूर्ति पर निर्भर हों, तो उनके पास गंदा और दूषित पानी पहुंचने की जिम्मेदारी किसकी है। लोगों की मौत के मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने गलती मानते हुए आनन-फानन में कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन यह साफ है कि संबंधित महकमों की नींद तभी खुलती है, जब कोई बड़ा नुकसान हो चुका होता है।

यों, देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है, लेकिन ऐसा लगता है कि आम लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है और इस क्रम में उनकी सेहत के साथ क्या होता है, इसकी परवाह शायद किसी को नहीं है। खबरों के मुताबिक, दूषित पेयजल की मार से प्रभावित इलाके में स्थानीय लोगों ने पिछले डेढ़ वर्ष से इससे होने वाली परेशानी और शिकायत के बावजूद सुनवाई न होने की बात कही। मगर सरकार के कामकाज की शैली का

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पेयजल में दूषित पानी मिलने के बाद जब लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, तब भी अगले कई दिन तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया।

इसके अलावा, पीने के पानी के पाइप लाइन से अलग गंदे पानी के निकासी की लाइन को सुरक्षित मानकों तक दूर रखने की व्यवस्था नहीं की गई, तो इसकी क्या वजह हो सकती है? क्या यह सिर्फ अक्षम अधिकारियों की अदूरदर्शिता का मामला है या फिर जानबूझ कर की गई अनदेखी का? इस तरह की लापरवाही का इलाज सिर्फ कुछ औपचारिक कदम नहीं हैं, बल्कि इसके लिए सभी स्तर पर सजगता और जिम्मेदारी की जरूरत है।

विडंबना यह है कि सरकार का मकसद प्रचार के लिए किसी शहर की स्वच्छता के तमगे हासिल करना रह गया लगता है। सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर में अगर कुछ लोगों को जहरीला पानी पीने पर मजबूर होना पड़ा, तो इस विरोधाभासी हकीकत की पड़ताल करने की जरूरत है कि ऐसे तमगे जारी किए जाने के पैमाने क्या हैं? पीने का पानी सबसे बुनियादी जरूरत है, जिसके बिना ज्यादा वक्त तक नहीं रहा जा सकता।

सरकार देश भर में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना के तहत सबको स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने का दावा करती है। मगर इस दावे की हकीकत अक्सर सामने आती रहती है, जब किसी इलाके में भूजल सूख जाने तो कहीं पीने के पानी के लिए लोगों के जद्दोजहद करने की खबरें आती हैं। जहां पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था है भी, अगर वहां यह सेहत पर जोखिम से लेकर जानलेवा होने तक के खतरे से बची नहीं है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। यह समझना मुश्किल है कि कमियों पर ध्यान देने और पेयजल के पाइप लाइन के सुरक्षित होने की निगरानी नियमित जवाबदेही में शामिल क्यों नहीं होती, ताकि ऐसी त्रासदी से बचा जा सके।

हर चीज उगाता है आत्मनिर्भर देश गुयाना

जरा हट के

दुनिया में ज्यादातर देश फूड के लिए एक-दूसरे पर निर्भर हैं, लेकिन एक छोटा सा दक्षिण अमेरिकी देश है जो हर तरह का अनाज, सब्जी, फल, मांस, मछली, दूध और मसाले खुद उगाकर पूरी तरह आत्मनिर्भर है.

यह देश है गुयाना, जो 2025 में Nature Food जर्नल की स्टडी में 186 देशों में अकेला 100% फूड सेल्फ-सफिशिएंट पाया गया. स्टडी के मुताबिक, गुयाना सभी सात जरूरी फूड ग्रुप्स – फल, सब्जियां, डेयरी, मछली, मांस, प्लांट-बेस्ड प्रोटीन (जैसे बीन्स, नट्स) और स्टार्ची स्टेपल्स (चावल, कैसावा) में पूरी तरह सेल्फ-सफिशिएंट है.

ये देश किसी अन्य देश से कोई आयात नहीं करता है. गुयाना की आबादी करीब 9 लाख है और यह दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित है. यहां के उपजाऊ तटीय मैदान चावल, कैसावा,

सोयाबीन, सब्जियां और पोल्ट्री के लिए आदर्श हैं. नदियों से भरपूर फिशिंग और पशुपालन से मांस-मछली की जरूरत पूरी होती है. देश ने 85% से ज्यादा मूल जंगल संरक्षित रखे हैं, फिर भी कृषि में कमाल किया है. स्टडी में बताया गया कि गुयाना ने बायोरिजनल स्ट्रेंग्थ्स पर फोकस किया, जिसमें लोकल क्लाइमेट के हिसाब से क्रॉप्स चुने गए जैसे चावल और कैसावा. 2023 में 10,000 एकड़ में कॉर्न और सोयाबीन उगाए गए, जो 2025 तक 25,000-30,000 एकड़ तक बढ़ गए. रेड बीन्स और ब्लैक-आई पीज में 2024 तक सेल्फ-सफिशिएंट, CARICOM की जरूरत पूरी कर सकता है.

ये देश स्पाइसेस जैसे जिंजर, टर्मरिक और ब्लैक पेपर भी उगाता है. यह उपलब्धि क्लाइमेट चेंज, ग्लोबल सप्लाई चेन डिसरप्शन (कोविड, रूस-यूक्रेन वॉर) के दौर में खास महत्वपूर्ण है. बाकी देशों में फ्रूट्स, वेजिटेबल्स और फिश में कमी है, लेकिन गुयाना ने सभी ग्रुप्स में 100% हासिल किया है. चीन और वियतनाम 6 ग्रुप्स में सेल्फ-सफिशिएंट हैं, लेकिन हर ग्रुप में नहीं. गुयाना ने युवाओं को एग्री-बिजनेस में ट्रेनिंग दी, 200+ शेड हाउस बनाए जिसमें हाई-वैल्यू क्रॉप्स (ब्रोकोली, कैरट्स) उगाए जाते हैं.

मिक्स वेज सूजी पकौड़े

खाना-खजाना

सामग्री

- सूजी (रवा) – 1 कप
- दही – ½ कप
- बारीक कटी सब्जियां (गाजर, शिमला मिर्च, प्याज, पत्तागोभी, हरी मिर्च) – 1 कप
- अदरक का पेस्ट – 1 छोटा चम्मच
- नमक – स्वादानुसार
- जीरा – ½ छोटा चम्मच
- बेकिंग सोडा – 1 चुटकी
- हरा धनिया – 2 चम्मच
- पानी – आवश्यकतानुसार
- तेल – तलने के लिए

बनाने का तरीका

एक मिक्सिंग बाउल में सूजी, दही और थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल तैयार करें। इसे 10 मिनट तक ढककर रखें जिससे सूजी फूल जाए। इसके बाद सारी सब्जियां, अदरक, नमक, जीरा, हरा धनिया और बेकिंग सोडा मिलाएं। कढ़ाई में तेल गरम करें और चम्मच से थोड़ा-थोड़ा मिश्रण डालते हुए पकौड़े तलें। दोनों ओर से सुनहरा और क्रिस्पी होने तक तलें। इन्हें टमैटो सॉस या हरी चटनी के साथ गरमागरम सर्व करें ।

चीजी सूजी पकौड़े

सामग्री

- सूजी – 1 कप
- दही – ½ कप
- कद्दूकस किया हुआ चीज– ½ कप
- हरी मिर्च – 1 बारीक कटी
- हरा धनिया – 1 चम्मच
- नमक – स्वादानुसार
- बेकिंग सोडा – 1 चुटकी
- पानी – आवश्यकता अनुसार
- तेल – तलने के लिए

बनाने का तरीका

सूजी और दही का गाढ़ा घोल बनाकर 10 मिनट के लिए ढककर रखें। फिर इसमें चीज, हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक और बेकिंग सोडा मिलाएं। अच्छे से मिलाकर पकौड़ों के आकार में तलें। जब दोनों ओर से गोल्डन ब्राउन हो जाएं, तो चटनी के साथ सर्व करें। बड़ों सहित बच्चों को भी यह चीजी वर्जन खास तौर पर बहुत पसंद आएगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग में मौनी अमावस्या

मौनी अमावस्या को माघी अमावस्या और माघ अमावस्या भी कहा जाता है. मौनी अमावस्या की प्रतीक्षा लोगों को सालभर से रहती है क्योंकि इस दिन मौन व्रत, पवित्र नदियों में स्नान के बाद दान करने के परंपरा है. इससे व्यक्ति पाप मुक्त होता है और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है. इस नए साल की यह पहली अमावस्या भी है. पंचांग के अनुसार हर साल माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या मनाई जाती है. इस दिन तीर्थराज प्रयाग में माघ मेले का सबसे बड़ा स्नान होता है. आइए जानते हैं कि नए साल 2026 में मौनी अमावस्या कब है? मौनी अमावस्या पर स्नान और दान का मुहूर्त क्या है?

इस साल की मौनी अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है. सर्वार्थ सिद्धि योग को शुभ योगों में

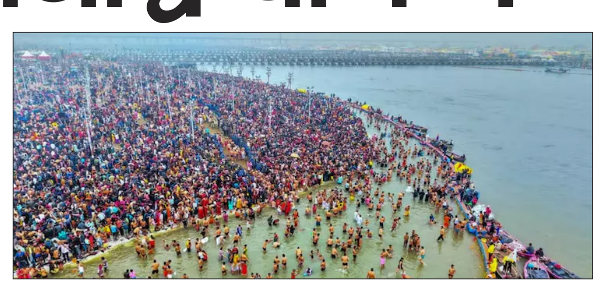

से एक योग माना गया है. इस योग में आप जो भी शुभ कार्य करते हैं, उसके सफल सिद्ध होने की संभावना अधिक होती है. मौनी अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह में 10 बजकर 14 मिनट पर प्रारंभ होगा और यह अगले दिन 19 जनवरी सोमवार को सुबह 7 बजकर 14 मिनट तक रहेगा.

मौनी अमावस्या पर हर्षण योग और वज्र योग भी बन रहा है. कुछ कार्यों के लिए हर्षण योग भी शुभ माना गया है. यह योग मौनी अमावस्या पर प्रातःकाल से लेकी रात 9 बजकर 11 पी एम तक है. उसके बाद से वज्र योग बनेगा. अमावस्या पर पूर्वाषाढा नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर सुबह 10 बजकर 14 ए एम तक है, उसके बाद से उत्तराषाढ नक्षत्र है.

मौनी अमावस्या के दिन सूर्य मकर राशि में विद्यमान रहेंगे, वहीं चंद्रमा धनु राशि में सुबह से लेकर शाम 04:41 पी एम तक रहेंगे, उसके बाद वे भी मकर राशि में प्रवेश कर जाएंगे.

मौनी अमावस्या की तारीख

- वैदिक पंचांग के अनुसार, माघ कृष्ण अमावस्या तिथि का प्रारंभ 18 जनवरी दिन रविवार को 12 बजकर 03 ए एम पर हो रहा है.
- इस तिथि का समापन 19 जनवरी दिन सोमवार को 1 बजकर 21 ए एम पर होगा. ऐसे में उदयातिथि के आधार पर मौनी अमावस्या 18 जनवरी रविवार को है.
- उस दिन मौन व्रत रखा जाएगा, स्नान और दान होगा.

मौनी अमावस्या स्नान-दान मुहूर्त

मौनी अमावस्या के अवसर पर स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त को सबसे उत्तम माना गया है. मौनी अमावस्या पर आप प्रातःकाल में 05 बजकर 27 ए एम से 06 बजकर 21 ए एम के बीच स्नान कर सकते हैं. यह उस दिन का ब्रह्म मुहूर्त है. आप उसके बाद भी स्नान कर सकते हैं, इसकी मनाही नहीं है. स्नान के बाद अपनी क्षमता के अनुसार दान करें.

उस दिन का शुभ समय यानि अभिजीत मुहूर्त दोपहर में 12 बजकर 10 पी एम से दोपहर 12 बजकर 53 पी एम तक है. उस दिन का राहुकाल शाम को 4 बजकर 29 पी एम से शाम 5 बजकर 49 पी एम तक है. राहुकाल में कोई शुभ कार्य न करें.

दान की वस्तुएं

मौनी अमावस्या के दिन आप स्नान के बाद गरम कपड़े, चावल, गेंहू, तिल, गुड़, फल, कंबल आदि का दान कर सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : आज कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। रुके धन की प्राप्ति में अड़चनें आएंगी।

वृषभ: घर में आज मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से काम रखें। दूसरों के विश्वास में न आएं। परिवार में तनावपूर्ण माहौल रह सकता है।

मिथुन: आज धन के लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी। संत-समागम होगा।

कर्क: चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह: शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या: दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्थायी संपत्ति के मामले उलझेंगे। कार्य में मित्रों की मदद मिलेगी। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा।

तुला: कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। वाणी पर संयम आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक: चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उपहार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें। खर्चों में कमी करें।

धनु: पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। दांपत्य जीवन में गलतफहमी आ सकती है।

मकर: घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। विपरीत परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ: शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं। विद्वानों के साथ रहने का अवसर मिलेगा। व्यापार में भागीदार सहयोग करेंगे।

मीन: अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। शारीरिक कष्ट संभव है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

100 साल तक सेहतमंद रहना है?

नए साल के इस मौके पर क्या आपने ये संकल्प लिया है कि इस साल चाहे कुछ भी हो जाए, सेहतमंद रहना है? तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है. 100 साल तक सेहतमंद रहने के लिए क्या करना चाहिए, उसके सीक्रेट टिप्स यहां देख सकते हैं.

चेन्नई के मशहूर हार्ट डॉक्टर चोकलिंगम ने एक इंटरव्यू में इसके लिए टिप्स दिए हैं. ये शानदार टिप्स आप आज से ही अपना सकते हैं. अगर आप सेहतमंद रहना चाहते हैं, तो दिन में सिर्फ दो बार खाना काफी है. इसे इंटरमिटेंट फास्टिंग कहते हैं. डॉक्टर सोक्कलिंगम कहते हैं कि ये आपकी सेहत को अच्छा रखने में बहुत मदद करता है.

ठीक है, मान लेते हैं कि दिन में सिर्फ दो बार खाना चाहिए. तो वो दो टाइम कौन से हैं? सुबह और दोपहर? या दोपहर और रात? इसके बारे में डॉक्टर ने भी समझाया है. उनके मुताबिक, अगर आप रात 7 बजे डिनर खत्म कर लेते हैं, तो उसके बाद 16 घंटे बाद, यानी अगले दिन सुबह 11 बजे खाना खाएं ऐसा डॉक्टर ने बताया है.

अगर आप सुबह 11 बजे खाना खाने के बाद 8 घंटे बाद रात 7 बजे खाना खाते हैं, फिर 16 घंटे बाद अगले दिन सुबह 11 बजे खाना खाते हैं, तो इस 16:8 डाइट को फॉलो करने से आप 100 साल तक सेहतमंद रह सकते हैं, ऐसा डॉक्टर कहते हैं. ये कैसे फायदेमंद है? जब आप 16 घंटे तक पेट खाली रखते हैं, तो शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल अच्छे से डाइजेस्ट होता है और शरीर को एनर्जी देता है. एसिडिटी और अम्लता जैसी समस्याओं को भी रोकता है. दिल की सेहत भी अच्छी रहती है.

इसके साथ ही हर दिन कम से कम 3 लीटर पानी पीना चाहिए. खाने में तेल कम करना चाहिए, ताकि उम्र बढ़े. कभी भी थकावट महसूस न करें, रोज़ एक्सरसाइज और शरीर को एक्टिव रखें. ऐसा करने से बिस्तर पर जाते ही 2 मिनट में नींद आ जाएगी. रोज़ 7-8 घंटे सोना चाहिए, ऐसा डॉक्टर कहते हैं.

जैसे हम खाने में ध्यान रखते हैं, वैसे ही अपने मन का भी ख्याल रखना जरूरी है. मन को हमेशा खुश रखना चाहिए, कि जब खुशी के हार्मोन जैसे डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन, सेरोटोनिन, एंडॉर्फिन, मेलाटोनिन अच्छे से बनते हैं, तो शरीर भी हमेशा खुश और एनर्जी से भरा रहता है. रोज ध्यान करना बहुत अच्छा है. इन आदतों को लगातार अपनाने से शरीर और मन दोनों हल्का महसूस होते हैं और हम बिना बोझ के जी सकते हैं. इससे हम 100 साल तक सेहतमंद रह सकते हैं, ऐसा डॉक्टर कहते हैं.

उबले अंडे कितने दिन तक सुरक्षित रहते हैं?

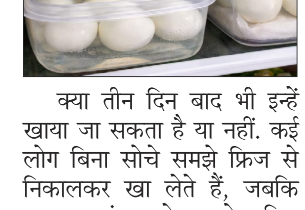

क्या तीन दिन बाद भी इन्हें खाया जा सकता है या नहीं. कई लोग बिना सोचे समझे फ्रिज से निकालकर खा लेते हैं, जबकि खराब अंडा सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. फूड से जुड़ी थोड़ी सी लापरवाही फूड पॉइजनिंग, पेट दर्द या उल्टी जैसी परेशानी दे सकती है. इसलिए जरूरी है कि उबले अंडों की सही स्टोरेज, उनकी लाइफ और खराब होने के संकेतों के बारे में सही जानकारी हो.

उबले अंडे कितने दिन तक स्टोर किए जा सकते हैं

फूड सेफ्टी एक्सपर्ट्स के मुताबिक उबले अंडे फ्रिज में रखे जाएं तो करीब एक हफ्ते तक सुरक्षित रहते हैं. यह नियम छिले हुए और बिना छिले दोनों तरह के अंडों पर लागू होता है. उबालने के बाद अंडे का नेचुरल प्रोटेक्टिव लेयर हट जाता है, जिस वजह से बैक्टीरिया लगने का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए कमरे के तापमान पर इन्हें ज्यादा देर रखना सही नहीं माना जाता. अगर उबले अंडों को लगातार ठंडी जगह यानी फ्रिज में रखा जाए, तो ये स्वाद और सेहत दोनों के लिहाज से ठीक रहते हैं.

छिले हुए और बिना छिले उबले अंडों में फर्क

बहुत से लोग यह सोचते हैं कि छिला हुआ अंडा जल्दी खराब हो जाता है या बिना छिला ज्यादा दिन चलता है. सच यह है कि बिना छिले उबले अंडे थोड़े ज्यादा सुरक्षित रहते हैं क्योंकि उनका छिलका बाहर की गंध और बैक्टीरिया से बचाव करता है. ऐसे अंडों को साफ और सूखे एयरटाइट डिब्बे में रखकर फ्रिज में रखना सबसे सही तरीका माना जाता है. वहीं छिले हुए उबले अंडों को थोड़ी ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है. अगर आप अंडा छीलकर रख रहे हैं, तो उसे एयरटाइट कंटेनर में रखें और साथ में हल्का गीला टिशू या पेपर टॉवल रख दें ताकि अंडा सूखे नहीं. चाहें तो छिले अंडों को साफ ठंडे पानी में डुबोकर भी रख सकते हैं, बस पानी रोज बदलना जरूरी है. इस तरीके से भी अंडे करीब एक हफ्ते तक ठीक रहते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर की 17वें फ्लोर से गिरकर मौत

नोएडा. नोएडा में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अजय गर्ग की 17वें फ्लोर पर स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे गिरकर मौत हो गई। वह दिल्ली ऑफिस में कार्यरत थे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के दिल्ली ऑफिस में एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर कार्यरत 55 वर्षीय अजय गर्ग शनिवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे अचानक अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे गिरकर मौत हो गई। अजय गर्ग मूलरूप से कानपुर के रहने वाले थे और वर्तमान में नोएडा सेक्टर 104 स्थित एटीएस वन हेमलेट सोसाइटी के फ्लैट नंबर 9171 में अपनी पत्नी मयूरी गर्ग के साथ रहते थे। इनका एक बेटा देवांग भी है, जो मुंबई में जॉब करता है।

डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी के फ्लैट से लाखों के गहने और कैश बरामद

रिश्वत खोरी के मामले में शुक्रवार को सीबीआई टीम ने सेंट्रल जीएसटी की डिप्टी कमिश्नर व आईआरएस अधिकारी प्रभा भंडारी के फ्लैट का ताला तोड़कर तलाशी ली। चार घंटे तक चली इस कार्रवाई में 30 लाख के गहने और डेढ़ लाख रुपए नगद मिले हैं। इसके साथ ही कई जरूरी कागजात भी टीम ने कब्जे में लिए हैं। शहर में बुधवार को सीबीआई की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सेंट्रल जीएसटी की डिप्टी कमिश्नर व आईआरएस अधिकारी प्रभा भंडारी को 70 लाख की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद से ही सीबीआई टीम शहर में डेरा जमाए है। सीबीआई टीम को उनके नमो होम्स स्थित फ्लैट नंबर ए-311 की तलाशी लेनी थी। सूत्रों की मानें तो डिप्टी कमिश्नर ने चॉबी देने से इनकार कर दिया।

पति रोज-रोज पीटता था, तंग होकर पत्नी ने डंडे से पीट-पीटकर की हत्या

उरई. मैं क्या करती रोज-रोज पति शराब के नशे में पीटते थे और उत्पीड़न करते थे। 25 दिसंबर की देर शाम को भी जब वह शराब के नशे में घर लौटे तब भी मुझसे मारपीट की जो उस दिन बर्दाश्त न हुआ और फिर डंडे से हमने भी पति की पिटाई कर दी। इसमें उसकी मौत हो गई। यह सनसनीखेज खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि सिंचाई विभाग में तैनात रहे रनर वीरेंद्र गौतम उर्फ मुन्ना की पत्नी ने पुलिस के सामने किया। सिंचाई कर्मी की हत्या की रिपोर्ट अज्ञात लोगों के खिलाफ पत्नी ने दर्ज कराई थी। जिसे पुलिस ने कोर्ट में पेश किया और जहां से उसे जेल भेजा गया।

सांप-छिपकली दिखा चोरी करने वाला गैंग धराया, 35 महिलाएं और 4 पुरुष गिरफ्तार

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके और धार्मिकस्थलों में आने वाली भीड़ से लूट करने वाले ऑटो लिफ्टर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने 36 महिलाओं और चार पुरुषों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चाकू, पेचकस, सेफ्टी पिन, नकली छिपकली, सांप और ऑटो बरामद किया गया है। सभी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। गिरोह में शामिल एक किशोरी को बाल सुधार गृह भेजा गया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि यह गिरोह शहर और आसपास के जिलों के धार्मिक और पर्यटक स्थलों पर सक्रिय था। भीड़भाड़ वाले इलाकों से पहले ये लोग अपनी गाड़ी खड़ी कर लेते थे और ऐसे यात्रियों को निशाना बनाते थे, जो कीमती आभूषण पहने होते थे और अकेले सफर कर रहे होते थे।

अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला, राष्ट्रपति को पकड़ा

- **ट्रम्प बोले- मादुरो और उनकी पत्नी अब हमारे कब्जे में**

वाशिंगटन. अमेरिका राष्ट्रपति ट्रम्प ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ने का दावा किया है। ट्रम्प के मुताबिक दोनों को देश से बाहर ले जाया गया है।

अमेरिका ने शनिवार रात को वेनेजुएला की राजधानी काराकस समेत 4 शहरों को निशाना बनाया। ट्रम्प ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर शेयर की।

उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सफल रही है और मादुरो अब अमेरिकी हिरासत में हैं। ट्रम्प ने कहा कि इस पूरे ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी बाद में दी जाएगी।

ट्रम्प के मुताबिक, शनिवार को फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में सुबह 11 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8 बजे) इस मामले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी, जिसमें हमले और मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर डिटेल से बताया जाएगा।

अमेरिका ने ड्रग तस्करी को लेकर वेनेजुएला को घेरा

अमेरिका ने यह हमला ऐसे समय में किया है, जब दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ा हुआ है। अमेरिका ने वेनेजुएला के पास समुद्र में सैनिक, विमान और युद्धपोत तैनात कर रखे हैं। बीते 4 महीने में अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की 35 नावों हमले किए हैं। इसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अमेरिका का दावा है कि वे ड्रग तस्करी में शामिल थीं।

ट्रम्प ने वेनेजुएला पर हमले का आदेश दिया था

अमेरिका ने शनिवार को वेनेजुएला की राजधानी काराकस समेत 4 शहरों (मिरांडा, अरागुआ और ला ग्वायरा) पर हवाई हमले किए हैं। अमेरिका ने इन राज्यों के सैन्य ठिकानों पर 7 हवाई हमले किए। पहला हमला स्थानीय समय के मुताबिक रात करीब 2 बजे हुआ। अमेरिकी मीडिया CBS न्यूज के मुताबिक ट्रम्प ने वेनेजुएला के अंदर सैन्य सुविधाओं और कई खास जगहों पर हमले का आदेश दिया था। हमले के एक वायरल वीडियो में शहर के ऊपर कम ऊंचाई से गुजरते करीब 10 हेलिकॉप्टर नजर आए। रॉयटर्स के मुताबिक, शहर के कई इलाकों में तेज आवाजें सुनी गईं। बाद में यहां बिजली गुल हो गई। इससे पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बयान जारी कर कहा कि हमलों का डटकर जवाब दिया जाएगा। मादुरो ने देशभर में इमरजेंसी घोषित कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका तख्तापलट करना चाहता है, ताकि वेनेजुएला के तेल और खनिज संसाधनों पर कब्जा कर सके।

ड्रग्स तो बहाना, असली मकसद तेल का खजाना?

दुनिया का ध्यान इस समय मध्य-पूर्व से हटकर अचानक लातिन अमेरिका की ओर मुड़ गया है। अमेरिका ने शनिवार सुबह एक के बाद एक वेनेजुएला की राजधानी काराकस में भीषण हमले किए। कम ऊंचाई पर उड़ते कई अमेरिकी विमानों ने सैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया। हमले से पहले पिछले 24 घंटों में अमेरिका ने वेनेजुएला के तट पर जो सैन्य गतिविधियां बढ़ाई हैं, उसने एक पुराने सवाल को फिर से जिंदा कर दिया है: क्या अमेरिका वाकई ड्रग्स के खिलाफ लड़ रहा है, या उसकी नजर दुनिया के सबसे बड़े तेल खजाने पर है? आइए, इसे समझते हैं कि वेनेजुएला में अभी क्या हो रहा है और यह भारत सहित दुनिया के लिए चिंता का विषय क्यों है।

अभी क्या हो रहा है

वेनेजुएला की राजधानी काराकस में कम ऊंचाई पर उड़ते कई विमानों और कम से कम सात विस्फोटों की आवाज सुनी गई। वेनेजुएला के सरकारी बयान में कहा गया कि अमेरिका ने काराकास के अलावा मिरांडा, अरागुआ और ला गुएरा राज्यों में नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमले किए। बयान में आरोप लगाया गया कि इन हमलों का एकमात्र उद्देश्य वेनेजुएला के तेल और खनिज संसाधनों पर कब्जा करना है। राष्ट्रपति निकोलस मदुरो ने बाहरी आक्रमण की स्थिति घोषित की है, जिससे उन्हें नागरिक अधिकारों को निलंबित करने और सशस्त्र बलों की भूमिका बढ़ाने का अधिकार मिल जाता है। सरकार ने अपने समर्थकों से सड़कों पर उतरकर साम्राज्यवादी हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की अपील की है।

मोदी बोले-125 साल बाद बुद्ध के अवशेष भारत लाए गए

- **उनके लिए ये एंटीक पीस थे हमारे लिए सब कुछ**
- **दिल्ली में एग्जीबिशन का उद्घाटन किया**

नई दिल्ली. पीएम मोदी ने भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेषों की भारत वापसी पर कहा कि इन अवशेषों को अपने बीच पाकर हम धन्य है। 125 साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है। अवशेषों का भारत से बाहर जाना फिर वापस आना एक बड़ा सबक है। गुलामी के काल में इन्हें भारत से छीना गया था। जो लोग इसे लेकर गए थे उनके ये केवल एंटीक थे इसलिए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने की भी कोशिश की। भारत ने तय किया कि हम इनकी नीलामी नहीं होने देंगे। हम गोदरेज समूह का आभार व्यक्त करते हैं उनके सहयोग से ये मुमकिन हो सका कि ये अवशेष बुद्ध की भूमि पर वापस आए।

दरअसल साल 1898 में उत्तर प्रदेश के पिपरहवा (कपिलवस्तु क्षेत्र) में खुदाई के दौरान भगवान बुद्ध के अवशेष मिले थे। यह खुदाई ब्रिटिश काल में हुई थी। खुदाई कराने वाले व्यक्ति डब्ल्यू. सी. पेपे, उस समय ब्रिटिश शासन में एक इंजीनियर थे। उस वक्त इन अवशेषों को भारत से बाहर भेज दिया गया था। इन्हें अब वापस लाया गया है। अवशेषों को दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की एग्जीबिशन में रखा गया है। पीएम मोदी ने इस एग्जीबिशन का इनॉगरेशन किया।

छत्तीसगढ़ में 14 नक्सली ढेर

- **देवा का 20 नक्सलियों समेत सरेंडर**
- **सुकमा में 12, बीजापुर में 2 मारे गए**
- **सभी के शव-हथियार बरामद**

नई दिल्ली. छत्तीसगढ़ में शनिवार सुबह दो अलग-अलग जगहों पर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया है। सुकमा के किस्टाराम इलाके में 12 और बीजापुर में 2 नक्सली मारे गए हैं। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। इस बीच छत्तीसगढ़ का मोस्ट वांटेड नक्सली स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर (SZCM) देवा बारसे ने हैदराबाद में सरेंडर कर दिया है। देवा के साथ 20 नक्सलियों ने भी हथियार डाल दिए हैं। हैदराबाद में दोपहर 3 बजे पुलिस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देगी। देवा अपने साथियों के साथ तेलंगाना के मुलुगु पहुंचा था, जहां से पुलिस उसे हैदराबाद लेकर पहुंची थी। सुकमा के किस्टाराम इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के इनपुट पर डीआरजी की टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। इस दौरान शनिवार सुबह करीब 8 बजे नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में फोर्स ने 12 नक्सलियों को ढेर कर दिया। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। सर्चिंग जारी है।

इधर, बीजापुर में माओवादियों की मौजूदगी की इनपुट मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने अभियान शुरू किया। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम नक्सल विरोधी ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान शनिवार तड़के नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुबह करीब 5 बजे से माओवादियों के साथ रुक-रुककर मुठभेड़ चल रही है। सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ की पुष्टि एसपी जितेंद्र यादव ने की है। मारा गया एक नक्सली एरिया कमेटी मेंबर है, जिस पर पर 5 लाख का नाम इनाम था, जबकि दूसरा 8 लाख का इनामी था।

बंदरों को भगाने के लिए लोगों की भर्ती

- **लंगूर की आवाज निकालेंगे**
- **विधानसभा के बाहर 8 घंटे की शिफ्ट में करना होगा काम**

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा परिसर में बंदरों के बार-बार घुसने और उत्पात मचाने की समस्या से निपटने के लिए विधानसभा प्रशासन ने नई तरकीब निकाली है। बंदरों को भगाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल करने वाले लोगों को तैनात करने की योजना बनाई गई है।

लोक निर्माण विभाग (PWD) ने लंगूरों की आवाज निकालने वाले लोगों की हायरिंग के लिए

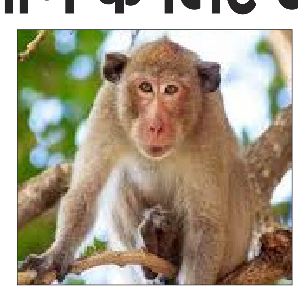

टेंडर भी निकाल दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, पहले उनके पास लंगूर की नकल करने वाले लोग थे, लेकिन उनका कांट्रेक्ट खत्म हो गया है।

अब प्रशासन वर्किंग डे और शनिवार को प्रशिक्षित कर्मियों को तैनात करने की योजना बना रहा है, जिनमें से हर कर्मी 8 घंटे की शिफ्ट में काम करेगा। ये कर्मी लंगूर की आवाज की नकल कर बंदरों को भगाएंगे। विशेषज्ञ अपने साथ एक लंगूर भी लाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा के आसपास दर्जनों बंदर मौजूद रहते हैं। ये अक्सर तारों और डिश एंटीना पर कूदते हैं और उन्हें तोड़ देते हैं। बंदरों से दिल्ली विधानसभा में मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है।

लंगूर के पुतलों से डरना बंद कर चुके हैं बंदर

एक अधिकारी ने बताया कि पहले विधानसभा परिसर में लंगूर के पुतले लगाने की भी योजना थी, लेकिन बंदर उनसे डरना बंद कर चुके हैं।

चमोली के आर्मी कैंप स्टोर में लगी आग

चमोली. उत्तराखंड के चमोली के जोशीमठ में औली रोड पर स्थित सेना के कैंप में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लग गई। घटनास्थल पर 100 से ज्यादा जवान मौजूद थे, जिनमें से कई स्टोर पूरी तरह जलकर राख हो गए। सेना के जवानों ने करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया। आग की तेज लपटों के कारण स्थिति काफी देर तक चिंताजनक बनी रही। आग दोपहर करीब 2 बजे कैंप के स्टोर क्षेत्र में शुरू हुई। शुरुआत में एक छोटे स्पार्क से लगी आग तेजी से फैल गई और स्टोरों में रखे सामान, उपकरण व अन्य सामग्री को भोजन बना लिया। सेना ने तत्काल स्थानीय दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन दुर्गम इलाके के कारण सहायता पहुंचने में थोड़ा विलंब हुआ।

बांग्लादेश में हिंदू बिजनेसमैन की मौत

- **भीड़ ने पेट्रोल डालकर जला दिया था**

ढाका. बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होने वाले आम चुनावों से पहले सांप्रदायिक हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। ताजा मामले में शरीयतपुर जिले में भीड़ द्वारा बर्बरतापूर्वक किए गए हमले में घायल हिंदू व्यवसायी खोकन चंद्र दास की इलाज के दौरान मौत हो गई है। उन पर यह हमला नए साल की पूर्व संध्या (31 दिसंबर) को हुआ था, जिसके बाद उनकी

स्थिति नाजुक बनी हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खोकन चंद्र दास शरीयतपुर के दामुड्या इलाके में दवा और मोबाइल बैंकिंग की दुकान चलाते थे। बुधवार रात जब वह अपनी दुकान बंद कर ऑटो-रिक्शा से घर लौट रहे थे, तभी केउरभांगा बाजार के पास दंगाइयों की एक भीड़ ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने पहले उन्हें धारदार हथियारों से बुरी तरह घायल किया और फिर उन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। जान बचाने के लिए खोकन पास के एक तालाब में कूद गए, लेकिन तब तक वह काफी हद तक झुलस चुके थे।

दामुड्या थाना पुलिस ने इस मामले में दो स्थानीय युवकों, रब्बी और सोहाग के खिलाफ मामला दर्ज किया है। खोकन की पत्नी सीमा दास का आरोप है कि उनके पति ने हमलावरों को पहचान लिया था, इसलिए उन्हें जान से मारने की नीयत से जलाया गया।

दो हफ्तों में हिंदुओं पर हमले की चौथी बड़ी घटना

आपको बता दें कि बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को चुनाव होने तय हुए हैं। चुनावों की घोषणा के बाद से ही देश के विभिन्न हिस्सों में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले 18 दिसंबर को मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास नामक एक युवक की मॉब लिंचिंग हुई थी। पिछले दो हफ्तों में हिंदुओं पर हमले की यह चौथी बड़ी घटना है। भारत ने इन घटनाओं पर कड़ी चिंता व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत गंभीर बताया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भी हिंदू युवक की हत्या को भयावह करार देते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

बांग्लादेशी क्रिकेटर KKR से बाहर

- **BCCI के निर्देश के बाद शाहरुख की टीम ने निकाला**
- **बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के कारण विरोध था**

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर कर दिया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद BCCI ने शाहरुख खान की IPL टीम KKR को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

KKR ने ट्वीट किया, BCCI के निर्देश के बाद सभी जरूरी प्रक्रियाओं और आपसी परामर्श के बाद मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया गया है। IPL नियमों के अनुसार BCCI ने KKR को एक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लेने की अनुमति दी है। इससे जुड़ी आगे की जानकारी समय आने पर साझा की जाएगी।

इससे पहले BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने आज सुबह कहा, हाल के दिनों में जो घटनाक्रम सामने आए हैं, उन्हें देखते हुए बोर्ड ने KKR को मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश दिया है। अगर फ्रेंचाइजी किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की

मांग करती है, तो उसे इसकी अनुमति दी जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के बीच रहमान के IPL में खेलने का विरोध हो रहा है। वहां पिछले 14 दिन में 4 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। IPL 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी। जबकि लीग का फाइनल मैच 31 मई को खेला जाएगा।

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने KKR के मालिक शाहरुख खान से बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटाने की अपील की थी। निरुपम ने कहा- 'जब पूरा देश बांग्लादेश को लेकर गुस्से और नाराजगी में है। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे उस बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम से हटा दें।'

भागवत बोले- भाजपा को RSS कंट्रोल नहीं करता

संघ को पार्टी के नजरिए से देखना गलत; आरएसएस पैरा-मिलिट्री फोर्स नहीं

भोपाल. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा या विश्व हिंदू परिषद के नजरिए से आरएसएस को समझना गलत है। सभी स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और संघ किसी (भाजपा) को कंट्रोल नहीं करता। संघ का उद्देश्य सत्ता, टिकट या चुनाव नहीं, बल्कि समाज की गुणवत्ता और चरित्र निर्माण है।

भोपाल में RSS के 100 साल पूरे होने पर आयोजित 'प्रमुख जन गोष्ठी' में बोलते हुए भागवत ने

कहा कि हम वर्दी पहनते हैं, मार्च निकालते हैं और लाठी का अभ्यास करते हैं। ऐसे में अगर कोई सोचता है कि यह एक पैरा मिलिट्री फोर्स है तो यह एक गलती होगी।

भागवत ने आगे कहा कि हमारे मत-पंथ, संप्रदाय, भाषा और जाति अलग हो सकती है, लेकिन हिंदू पहचान हम सबको जोड़ती है। हमारी संस्कृति एक है, धर्म एक है और हमारे पूर्वज भी समान हैं।

गोष्ठी में मोहन भागवत ने राजनीति, स्वदेशी अर्थव्यवस्था, युवाओं की दिशा, पारिवारिक जीवन और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की।

संघ को समझने की जरूरत: भागवत ने कहा कि संघ को लेकर समर्थक और विरोधी दोनों ही कई बार गलत नैरेटिव गढ़ते हैं। संघ की असली पहचान समाज निर्माण है और इसी वास्तविक स्वरूप को लोगों तक पहुंचाने के लिए ऐसे संवाद कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

न प्रतिक्रिया में जन्मा, न किसी से प्रतिस्पर्धा: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी के विरोध या प्रतिक्रिया में शुरू नहीं हुआ। संघ की किसी से प्रतिस्पर्धा भी नहीं है। इसके संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े रहे और देश के अनेक महापुरुषों से संवाद के बाद उन्होंने समाज संगठन की आवश्यकता महसूस की।

'हमने हिंदू अधिकारी को जला दिया था'

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। इस वीडियो में एक बांग्लादेशी युवक खुलेआम एक हिंदू पुलिस अधिकारी की हत्या का दावा करता और पुलिस अधिकारियों को धमकाता हुआ दिखाई देता है। युवक कथित तौर पर जुलाई 2024 में हुए तथाकथित 'आंदोलन' का जिक्र करता है।

यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर खोजी पत्रकार और लेखक साहिदुल हसन खोकन द्वारा शेयर किया गया। खोकन के अनुसार, वीडियो में दिख रहा युवक उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश के हबीगंज जिला का एक छात्र समन्वयक (स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर) है।

तिरुपति के गोविंदराजस्वामी मंदिर पर नशे में चढ़ा व्यक्ति

- **शराब मांगी, पुलिस ने पहुंचाई तब नीचे उतरा**
- **गार्ड्स को चकमा देकर ऊपर पहुंचा था**

तिरुपति. आंध्र प्रदेश के तिरुपति में शुक्रवार देर रात गोविंदराजस्वामी मंदिर के ऊपर पर एक व्यक्ति चढ़ गया और हंगामा किया। व्यक्ति ने कहा कि उसे एक क्वार्टर शराब की बोतल चाहिए तभी वह नीचे उतरेगा।

व्यक्ति की पहचान तेलंगाना के निजामाबाद जिला निवासी कुट्टाडी तिरुपति (45) के रूप में हुई है।

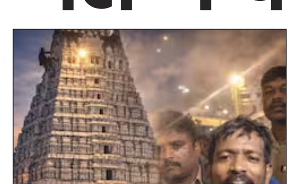

वो सिक्योरिटी गार्ड्स को चकमा देकर मंदिर में घुस गया था। पुलिस ने बताया कि उसे शराब देने के बाद नीचे उतारा गया और तिरुपति ईस्ट पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

दर्शन खत्म होने के बाद मंदिर में घुसा

पुलिस ने बताया कि व्यक्ति दर्शन खत्म होने के बाद नशे की हालत में मंदिर परिसर में घुस गया। मंदिर की दीवार पर चढ़ गया और गोपुरम के ऊपर रखा कलश चुराने की कोशिश भी की। पुलिस, फायर ब्रिगेड और मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों को उस आदमी को नीचे उतारने में तीन घंटे लग गए।

मीडिया से बोला- मुझे तो बस 90ml चाहिए थी

नीचे उतारे जाने के बाद मीडिया ने उससे पूछा कि क्या यह सच है कि उसने शराब की पूरी बोतल मांगी थी। आदमी ने कहा कि उसे तो बस 90ml चाहिए थी।

पुलिस ने तुरंत उसे गाड़ी में बैठाया और थाने लेकर चली गई।

भाजपा बोली- अजित पवार अपने गिरेबान में झांकें

- **डिप्टी सीएम का जवाब– जो सिंचाई घोटाले के आरोप लगाते थे, उनके साथ सत्ता में हूं**

मुंबई. महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के बीच महायुति गठबंधन (NDA) में आपसी झगड़े शुरू हो गए हैं। महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार ने शुक्रवार को पिंपरी-चिंचवड़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- जिन लोगों ने कभी मुझ पर 70 हजार करोड़ के सिंचाई घोटाले जैसे आरोप लगाए थे, वही लोग आज मेरे साथ सत्ता में हैं। सिर्फ आरोप लगने से कोई व्यक्ति दोषी नहीं हो जाता है, जब तक अदालत में अपराध साबित न हो जाए।

अजित पवार भाजपा नेता मुरलीधर मोहोल के बयान पर बोल रहे थे। मोहोल ने कहा था- एनसीपी ऐसे उम्मीदवारों को टिकट क्यों दे रही है, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अजित के तीखे जवाब से नाराज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने शनिवार को कहा- अजित पवार अपनी गिरेबान में झांकें, अगर मैंने बोलना शुरू किया, तो वह मुश्किल में पड़ सकते हैं।

यह सियासी टकराव ऐसे समय पर सामने आया है, जब 15 जनवरी को पुणे नगर निगम चुनाव हैं। खास बात यह है कि राज्य सरकार में सहयोगी होने के बावजूद बीजेपी और एनसीपी नगर निकाय चुनाव

अलग-अलग लड़ रही हैं। वहीं, अजित पवार की पार्टी शरद पवार गुट के साथ मैदान में है।

रवींद्र बोले- भाजपा भी ऐसे ही जवाब देगी तो अजित को दिक्कत होगी

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहा कि अजित पवार क्या मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी पर शक कर रहे हैं? आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से किसी का भला नहीं होगा। अगर बीजेपी भी इसी तरह जवाब देने लगे, तो यह अजित पवार के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है।

राउत बोले- अजित NCP को शरद पवार की पार्टी में मर्ज करें

शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने कहा है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली NCP को शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) में विलय कर लेना चाहिए। संजय राउत ने सवाल उठाया कि जब अजित पवार खुद बीजेपी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, तो वे फिर महायुति सरकार में क्यों बने हुए हैं।

संक्षेप...

स्वास्थ्य विभाग का टीबी-फ्री ठाणे के लिए मुहिम

ठाणे. भारत सरकार और महाराष्ट्र सरकार की गाइडलाइंस के मुताबिक, ठाणे ज़िले में नेशनल टीबी एलिमिनेशन प्रोग्राम (NTEP) को पूरे ज़िले में असरदार तरीके से लागू किया जा रहा है। यह प्रोग्राम जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और मुख्यकार्यकारी अधिकारी ज़िला परिषद ठाणे रंजीत यादव की गाइडेंस में और जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार, जिला मेडिकल अधिकारी डॉ. गंगाधर परगे और जिला टीबी इंचार्ज डॉ. दिनेश सुतार की देखरेख में सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। यह प्रोग्राम सरकारी हेल्थ इंस्टीट्यूशन, प्राइवेट मेडिकल प्रोफेशनल और सोशल ऑर्गनाइज़ेशन के साथ कोऑर्डिनेशन से असरदार तरीके से लागू किया जा रहा है।

बिना वोट पड़े 68 कैंडीडेट निर्विरोध जीते

- बीजेपी के 44 उम्मीदवार
- शिंदे के 22
- बची सीटों पर 15 जनवरी को वोटिंग

मुंबई. महाराष्ट्र में महानगर पालिका चुनाव की वोटिंग से 13 दिन पहले बीजेपी गठबंधन (महायुति) ने 68 सीटों पर निर्विरोध जीत दर्ज कर ली है। बीजेपी को 44 सीटें मिलीं, एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 22 सीटें अपने नाम कीं। वहीं अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के खाते में दो सीटें आईं।

नियमों के मुताबिक, अगर किसी सीट पर सिर्फ एक ही उम्मीदवार मैदान में रह जाता है और कोई दूसरा प्रत्याशी नामांकन नहीं करता या नाम वापस ले लेता है, तो उस उम्मीदवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाता है।

इन 68 सीटों पर भी यही स्थिति बनी, इसलिए मतदान कराने की जरूरत ही नहीं पड़ी। यानी अब 29 नगर निगम की बची हुई 2801 सीटों पर 15 जनवरी को वोटिंग होगी। नतीजे 16 जनवरी को आएंगे।

सबसे ज्यादा बीजेपी कैंडीडेट कल्याण-डोंबिवली से जीते

बीजेपी के जो 44 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। वे सबसे ज्यादा ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली नगर निगम से हैं। इसके बाद पुणे, पिंपरी चिंचवड़, पनवेल, भिवंडी, धुले, जलगांव और अहिल्यानगर नगर निगम से चुनाव जीते। पुणे के वार्ड नंबर 35 से बीजेपी उम्मीदवार मंजूषा नागपुरे और श्रीकांत जगताप निर्विरोध चुने गए। ये दोनों 2017 से 2022 के बीच भी इसी वार्ड से चुने गए थे।

मुंबई में 32 सीटों पर BJP-शिंदे सेना और ठाकरे सेना-MNS के बीच सीधा मुकाबला

मुंबई नगर निकाय की 227 सीटों में से 32 सीटों पर BJP-शिवसेना गठबंधन और शिवसेना (UBT)-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के बीच सीधा मुकाबला होगा। यह स्थिति इसलिए बनी है क्योंकि कांग्रेस-बहुजन वंचित अघाड़ी (VBA) गठबंधन ने इन सीटों पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। कांग्रेस ने अब तक मुंबई में 143 उम्मीदवारों की घोषणा की है। VBA के 46 सीटों पर चुनाव लड़ने और वामपंथी दलों और राष्ट्रीय समाज पार्टी सहित अन्य सहयोगियों को छह सीटें दी गई है। यानी कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 195 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। इससे 32 सीटें बिना तीसरे मोर्चे के उम्मीदवार के रह जाती हैं, जिससे वोटों का बंटवारा नहीं होगा।

वोटिंग से पहले जीत पर विपक्ष का रिएक्शन

MNS नेता अविनाश जाधव ने कहा, अगर आप वोटिंग से पहले ही जीतना चाहते हैं तो चुनाव क्यों करवाते हैं। दोनों सत्ताधारी पार्टियों को इसे आपस में बांट लेना चाहिए। भारत और राज्य में लोकतंत्र खत्म हो गया है। उन्होंने विपक्ष के कमजोर उम्मीदवारों को चुना और अपना काम करवा लिया।

शिवसेना (UBT) नेता अरविंद सावंत ने भी ऐसी निर्विरोध जीत सुनिश्चित करने के लिए विपक्षी उम्मीदवारों पर दबाव डालने का आरोप सत्ताधारी पार्टियों पर लगाया।

महाराष्ट्र में केवल मराठी अनिवार्य

- भाषा को लेकर बढ़ते विवाद के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बार फिर से भाषा विवाद पर अपना रुख दोहराया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी भाषा ही अनिवार्य है, इसके अलावा दूसरी भाषाओं का स्वागत है, लेकिन कोई अनिवार्य नहीं है। गौरतलब है कि पिछले साल भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शुरू करने के अपने फैसले को तीव्र विरोध प्रदर्शनों के बाद रद्द कर दिया और इस मुद्दे की जांच के लिए एक समिति का गठन किया।

सतारा में 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि राज्य में भाषा की अनिवार्यता का मुद्दा व्यापक रूप से बहस का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री के तौर पर मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है। कोई अन्य भाषा अनिवार्य नहीं है। हालांकि, तीन-भाषा प्रणाली को लेकर मतभेद थे। छात्रों को अपनी पसंद की कोई भी भारतीय भाषा सीखने की स्वतंत्रता है। सवाल सिर्फ यह था कि तीसरी भाषा किस कक्षा से शुरू की जानी चाहिए।''

विवाद का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि महाविकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के दौरान तैयार की गई एक रिपोर्ट में पहली कक्षा से ही हिंदी को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की गई थी और उनकी सरकार ने शुरू में इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया था।

उन्होंने कहा, लेकिन पहली कक्षा से ही (हिंदी) भाषा को अनिवार्य बनाने को लेकर व्यापक बहस और विरोध हुआ, इसलिए नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हालांकि, मैं यह दोहराना चाहूंगा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं।''

उन्होंने कहा, ''मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हम अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पेनिश जैसी भाषाओं का खुले दिल से स्वागत करते हैं... इन भाषाओं के प्रति हमारा रुख सकारात्मक है क्योंकि ये अंतरराष्ट्रीय भाषाएं हैं। लेकिन भारतीय भाषाओं का विरोध करते हुए अंतरराष्ट्रीय भाषाओं का स्वागत करना अनुचित है। मेरा मानना है कि हमारी भारतीय भाषाओं को भी वही सम्मान मिलना चाहिए, और यही हमारा रुख है।''

बिना विरोध के चुनाव मतदाता के साथ बड़ा धोखा

ठाणे. मनपा चुनाव में मनसे और विरोधी पार्टी के उम्मीदवारों को सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल करके धोखे से रिजेक्ट कर दिया गया। बाद में, शिवसेना शिंदे गुट ने पैसे का खेल करके 7 उम्मीदवारों को बिना विरोध के जितवा दिया। यह आरोप लगाते हुए कि यह काम एंटी-डेमोक्रेटिक है और मतदाता के साथ बड़ा धोखा है,मनसे नेता अविनाश जाधव की अगुवाई में शुक्रवार को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के पास काले रिबन लगाकर विरोध किया।

इस अवसर पर मनसे कार्यकताओं ने चुनाव सिस्टम के करप्ट कामकाज के खिलाफ नारे लगाए।कल्याण-डोंबिवली मनपा में शिवसेना और भाजपा अलायंस के 20 उम्मीदवारों को बिना विरोध के जितवाने के बाद, ठाणे मनपा में शिवसेना के सात उम्मीदवार बिना विरोध के चुने गए। खास बात यह है कि बिना विरोध चुने गए 7 में से 4 उम्मीदवार शिंदे दल के करीबी हैं और यहां चुनाव का फैसला लेने वाली अधिकारी विवादित वृषाली पाटिल हैं।

पैसे और सरकारी नौकरी के लिए सास ने की बहू की हत्या

- पुलिस को गुमराह करने के लिए खुद लिखवाई गुमशुदगी की रिपोर्ट

कल्याण. पोते की नौकरी और पैसों के लिए एक सास ने अपने साथी के साथ मिलकर 35 वर्षीय बहू की हत्या कर दी, और लाश को वालधुनी ब्रिज के नीचे छुपा दिया। घटना कल्याण पूर्व के न्यू जिम्मीबाग, कर्पेवाडी की है। शनिवार को इस घटना का खुलासा करते हुए कल्याण के एसीपी कल्याणजी घेटे ने बताया कि लताबाई नाथा गांगुर्डे (60) ने एक जनवरी की रात अपने साथी जगदीश महादेव म्हात्रे के साथ मिलकर, बहू रुपाली विलास गांगुर्डे (35) की लोहे की सरिया से मारकर हत्या कर दी, और पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने बहू की गुमशुदगी की झूठी रिपोर्ट लिखवाई। पुलिस ने जब लावारिस शव की फोटो दिखाई तो सास लताबाई ने बहू को पहचान लिया। महात्माफुले पुलिस ने इस हत्या की गुत्थी को सुलझाने के लिए जांच आगे बढ़ाई तो चौकाने वाला खुलासा हुआ।

बहु को उतारा मौत के घाट

पुलिस के अनुसार मृतका रुपाली का पति विलास गांगुर्डे रेलवे में नौकरी करता था। सितंबर 2025 में उसकी मौत हो गई। पति के देहांत के बाद पत्नी रुपाली को करीब 10 लाख रुपये मिले थे। सास लताबाई की नजर इन पैसों पर थी। साथ ही वह मृतक विलास की जगह पोते वंश की अनुकंपा तत्व पर रेलवे में नौकरी लगवाना चाह रही थी। लेकिन नाबालिग होने की वजह से रुपाली ने स्वयं नौकरी के लिए रेलवे में आवेदन किया। इसी बात से नाराज सास ने बहू की हत्या की साजिश रची और बीती एक जनवरी की रात नए साल के पहले दिन अपने साथी के साथ मिलकर उस्की हत्या कर दी। फिलहाल हत्या के आरोप में पुलिस ने सास लताबाई और उसके साथी जगदीश म्हात्रे को गिरफ्तार कर लिया है, और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

आयुष्मान भारत का ठाणे पैटर्न

- लाखों परिवारों के लिए हेल्थ कवर

ठाणे. आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना को अच्छे से लागू करने की वजह से ठाणे ज़िला राज्य में पब्लिक हेल्थ सिस्टम का एक मॉडल बन रहा है। कैशलेस, क्वालिटी और बिना परेशानी वाला इलाज सिर्फ़ एक कॉन्सेप्ट नहीं है, बल्कि असल में लाखों लोगों की ज़िंदगी में शामिल हो गया है।स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर की अध्यक्षता में हुई रिव्यू मीटिंग में ठाणे ज़िले के परफॉर्मेंस का खास ज़िक्र किया गया। अब तक ठाणे ज़िले में 12.31 लाख से ज़्यादा लोगों को आयुष्मान कार्ड का प्रोटेक्शन मिला है, और बड़ी संख्या में बेनिफिशियरी ने इलाज के लिए कार्ड का इस्तेमाल किया है। आने वाले समय में ज़िले में 56 लाख 96 हज़ार आयुष्मान कार्ड बांटने का टारगेट रखा गया है, और शहरी और ग्रामीण इलाकों में खास कैंपेन चलाए जा रहे हैं।यह सफलता की कहानी जिले में लिस्टेड 160 सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के बड़े नेटवर्क, ट्रेंड हेल्थ फ्रेंड्स, फील्ड टीमों और जिला प्रशासन के बीच अच्छे तालमेल की वजह से पूरी हुई है। यह स्कीम खासकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हो रही है।स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अशोक नंदापुरकर ने कहा, 'ठाणे जिले का प्रशासन स्वास्थ्य विभाग और फील्ड टीमें तालमेल से काम कर रही हैं, इसलिए कम समय में बड़ी संख्या में लाभार्थियों तक पहुंचना संभव हो पाया है।जिला सीनियर कोऑर्डिनेटर डॉ. रवींद्र जगतकर ने बताया, 'अगले फेज़ में, ठाणे जिले में स्कीम का दायरा बढ़ाने पर ज़ोर दिया जाएगा।

भरोसे, सम्मान और सुरक्षा का आधार

आयुष्मान भारत और महात्मा फुले जन आरोग्य योजना ठाणे जिले के लिए सिर्फ़ इलाज का सिस्टम नहीं है, बल्कि भरोसे, सम्मान और सुरक्षा का आधार भी है। हेल्थ कोई सर्विस नहीं बल्कि एक सोशल कमिटमेंट है। हमारा मकसद आयुष्मान भारत और महात्मा फुले जन आरोग्य योजना का फ़ायदा ठाणे ज़िले के हर योग्य नागरिक तक पहुंचाना है।

-डॉ. कैलाश पवार
(ज़िला सिविल सर्जन ठाणे)

स्वीप टीम के माध्यम से कलवा में मतदाता जागरूकता अभियान

ठाणे. मतदाता इस गद्दी का राजा है लोकतंत्र की डोर बनो मतदान संविधान द्वारा दिया गया एक अधिकार है और सभी को इस अधिकार का प्रयोग करना चाहिए और 15 जनवरी 2026 को होने वाले ठाणे मनपा चुनाव में मतदान करना चाहिए। स्वीप पहल के माध्यम से कलवा में जन जागरूकता पैदा की गई।स्वीप टीम ने ठाणे मनपा के स्कूल क्रमांक 69, 70, 115 में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों को यह समझाने के लिए मार्गदर्शन किया गया कि जब वे छात्र थे तब मतदान का महत्व क्या है और 18 वर्ष पूरे करने के बाद उन्हें वोट देने का अधिकार मिलता है। इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों द्वारा मतदान करने की शपथ ली गई।

ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर में देर रात स्वच्छता अभियान

ठाणे. साफ, सुंदर और स्वस्थ ठाणे की ओर एक कदम उठाते हुए ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर में देर रात तक एक बड़ा 'डीप क्लीन' चलाया गया। लोगों ने खुशी जताई कि सेटिस पुल और पूरे इलाके के साथ-साथ ईस्ट कोपरी और वेस्ट नौपाड़ा की तरफ की सफाई की गई और पानी से धोया गया।यह अभियान स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत शुक्रवार रात 10 बजे से चलाया गया। इस अभियान में ठाणे मनपा, टीएमटी कर्मचारियों, अतिक्रमण विभाग, ट्रैफिक पुलिस, रेलवे विभाग, वाटर सप्लाई, वर्कशॉप, पार्क, शिक्षा और प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने हिस्सा लिया। इस अभियान में अलग-अलग विभागों के बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।शहर को साफ करने की यह पहल मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में की गई। खास बात यह है कि पानी के दोबारा इस्तेमाल के कॉन्सेप्ट के अनुसार, कोपरी STP प्रोजेक्ट से रीसाइकिल किए गए पानी का इस्तेमाल करके, रेलवे स्टेशन के पूर्व और पश्चिम हिस्से,सेटिस पुल और इलाके की पर्यावरण के अनुकूल तरीके से सफाई की गई।इस डीप क्लीन ड्राइव में ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ,टीएमटी मैनेजर भालचंद्र बेहरे,उपायुक्त मधुकर बोडके,ट्रैफिक पुलिस के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर दिलीप पाटिल, पंजाबराव कवले, लक्ष्मण पुरी के साथ विभाग के करीब 300 से 350 कर्मचारियों ने उत्साह से हिस्सा लिया।इस सफाई अभियान की वजह से ठाणे रेलवे स्टेशन का परिसर साफ, सुरक्षित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक हो गया है। अपील की गई कि सफाई सिर्फ प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर ठाणेकर का कर्तव्य है।

आशीष विद्यार्थी और उनकी पत्नी सड़क हादसे में घायल

- गुवाहाटी में बाइक ने टक्कर मारी
- घटना के बाद एक्टर बोले- घबराने की जरूरत नहीं

बॉलीवुड एक्टर आशीष विद्यार्थी और उनकी पत्नी रूपाली बरुआ शुक्रवार देर रात गुवाहाटी के जू रोड इलाके में हुए एक सड़क हादसे में घायल हो गए। यह हादसा शुक्रवार रात करीब 12 बजे द गुवाहाटी एड्रेस होटल के सामने हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, डिनर के बाद कपल होटल के रेस्टोरेंट से बाहर निकला था। उसी दौरान सड़क पार करते समय यह हादसा हुआ।

पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार करते समय दोनों को टक्कर मार दी। बाइक गुवाहाटी के चांदमारी इलाके की तरफ से तेज गति में आ रही थी।

टक्कर के बाद एक्टर और उनकी पत्नी को चोटें आईं। बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही गीतानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायल बाइक सवार को इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। विद्यार्थी और उनकी पत्नी का भी इलाज कराया गया।

घटना के बाद आशीष विद्यार्थी सुरक्षित हैं

हालांकि, इस घटना के बाद आशीष विद्यार्थी और उनकी पत्नी सुरक्षित हैं। शनिवार को एक्टर ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर उनकी पत्नी रूपाली को मेडिकल ऑब्जर्वेशन में रखा गया है, लेकिन घबराने की कोई बात नहीं है। विद्यार्थी ने कहा कि उन्हें केवल हल्की चोट आई है और वह बिना किसी परेशानी के चल-फिर, बोल और खड़े हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने बाइक सवार के बारे में जानकारी लेने के लिए पुलिस से बात की, जिन्होंने उन्हें बताया कि बाइक सवार को होश आ चुका है।

युवा लेखकों एवं रचनाकारों की शानदार प्रस्तुति

भिवंडी. संस्था मजलिसे इलमो अदब द्वारा युवा लेखकों एवं रचनाकारों का चौथा समारोह रईस हाईस्कूल ऑडियो विजुअल हॉल में केएमई सोसायटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया.उक्त अवसर पर प्रिंसिपल जिया-उर-रहमान अंसारी, वाइस प्रिंसिपल आमिर सिद्दीकी और वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर के कोऑर्डिनेटर अब्दुल अजीज अंसारी ने भाग लिया और समारोह की शोभा बढ़ाई.प्रिंसिपल जियाउर रहमान अंसारी ने कहा कि संस्था का उद्देश्य छात्रों को अपनी साहित्यिक एवं काव्यात्मक रचनाओं तथा लेखों को विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करना तथा उनकी रचनात्मक क्षमताओं के विकास की संभावनाओं को उजागर करना है.छात्रों की स्वरचित रचनाएं,लेख और कहानियाँ सुनने के बाद प्रधानाचार्य ने छात्रों को अपने कीमती सलाह भी दिए. कार्यक्रम अध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन ने इस अनूठी पहल की प्रशंसा की और स्टूडेंट्स द्वारा पेश की गई रचनाओं पर अपनी खुशी जाहिर की और स्टूडेंट्स के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.समारोह में जूनियर कॉलेज के कला, विज्ञान और वाणिज्य विभाग के तेरह विद्यार्थियों हुमैरा शकील अहमद, खान हसन इमरान, खान फलक नाज अमजद, अंसारी इकरा और अंसारी ज़ैनब अब्दुल मन्नान ने कविताएं और ग़ज़लें पेश कीं, जबकि शेख सैम रिज़वान ने फिक्शन,अंसारी राफा रियाज़ुद्दीन और शेख ज़करी शाहनवाज़ ने कहानियां पेश कीं.खान मुआविया मुहम्मद ओबैद,शेख नशरह सरफराज ने विभिन्न विषयों पर निबंध पेश किए.मेहमानों ने स्टूडेंट्स की कोशिशों पर खुशी और आश्चर्य व्यक्त किए और उन्हें आवश्यक सुझाव दिए और उनके क्रिएटिव कामों की शानदार प्रेजेंटेशन के लिए उन्हें बधाई दी.समारोह का संचालन हिना फरहीन मोमिन ने किया.कार्यक्रम के सफल आयोजन में सोफिया मोमिन और रूहीन कुवारी का सहयोग शामिल रहा.

नुक्कड़ नाटकों के ज़रिए लोगों को किया जागरूक

ठाणे. मतदाता परसेंटेज बढ़ाने और असल में, ज़्यादा से ज़्यादा लोग अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करें, इसके लिए कलवा डिवीजन में स्वीप की तरफ से नुक्कड़ नाटकों के ज़रिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है।आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव के निर्देश पर, स्वीप पहल की नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती के मार्गदर्शन में शहर में बड़े पैमाने पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।कलवा प्रभाग समिति के तहत, वार्ड नंबर 24 के दुर्गादेवी इलाके के वाघोबा नगर में एक नुक्कड़ नाटक पेश किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के ज़रिए लोगों को यह मैसेज दिया गया कि 15 जनवरी 2026 को वोटिंग है और इस दिन सभी को अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। इस नुक्कड़ नाटक में सरस्वती स्कूल और कॉलेज के टीचर और स्टूडेंट्स ने भी हिस्सा लिया। साथ ही, नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति के दौरान इलाके के बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इस मौके पर मौजूद लोगों को वोटिंग की शपथ दिलाई गई, इस बार लोगों ने भी वोट देने का फैसला किया।कलवा प्रभाग समिति के तहत वार्ड नंबर 25 में,स्वीप टीम द्वारा घोलई नगर, मार्केट क्षेत्र में मतदान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक 'नुक्कड़ नाटक' प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के दौरान स्वीप टीम के सभी कर्मचारी मौजूद थे। साथ ही मनपा स्कूल के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया। नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति के दौरान नागरिकों ने सहज प्रतिक्रिया दी।कलवा नाका क्षेत्र में वार्ड नंबर 23 में, 'मतदाता सीट के राजा हैं... लोकतंत्र की डोर को बनाए रखें..., आपका वोट आपका अधिकार है' जैसे नारे नागरिकों में जागरूकता पैदा करने के लिए दिए गए थे। साथ ही, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099